रागं: हिन्दोळम् ताळम्: आदि

हरि रसमविहारि सतु
सरसॊयं मम श्रमसंहारि

1. दयानिवृत तनुधारि सं-
शयातिशय सञ्चारि
कयाप्यजित विकारि
क्रियाविमुख कृपाणधारि

2. परामृत सम्पादि
स्थिरानन्द स्वॆदी
वरालाप विवादी श्री
तिरुवॆङ्कटगिरि दिव्यविनॊदि